

२१

२२५०

७

सर्वज्ञः सर्वशक्तिः सर्वभूतहितः सर्वज्ञः

सरस्वति माता
सर्वज्ञा सर्वशक्तिः सर्वभूतहितः सर्वज्ञा

१ मिखायावाससंमूढहिंसाखनतारागतयाहयज्ञगोहातसंजिडावासंजि
डाभनप्रभुभनप्रयपठपकन॥६३॥ आदिलवालपूझ (भनपगसंनय
गिचूभनका नानाउमा॥६४॥ ग्यछासिरवलायाकोनाधीगुमिखाया
कावाधीगुभ्रवं कायाकावाधीगुयाकाकाकपताहागएआपातसगया
करवायकें॥६५॥ धुंकाकायाकयाखिवायाकपाकाएवूतिन
ठवगाहागतयकरवायकें॥ ॥ नसूरागिद्यायकरवीद्यायएवूति

नठवगाहागतयकरवायकें॥ ॥ आखंमाय (भनप्रभुमडासिन
नएवूगुधनरागमाडा॥ ॥ द्यापारमठनखकडावूलपह
माडाकेसि कडागुवाआद्यायाडाकिथूनी हागतयाद्याकें॥ ॥
हाडिआखं धनरागयाद्याकें॥ ॥ गुनमाहादवपानवागिडवाच
रुपास्वाहा १ धनमंउपाथस्याकगुया॥६६॥ गुनगतपगिनान
यनीठवनखंनथउवरुगंत्वाहा ३ धकपास्याकगुया॥६७॥

श्री श्री गणपति माहाकात्रि वचनं यद् विउवाच रूपं त्वहा ३ धर्मं मत्
 नवा ॥ १॥ नमो गुरुभ्यो नमो गुरुभ्यो ॥ २॥ हा उदयं हा ३ धर्मं मत् धुनय
 मखु गा ॥ ३॥ अकासनाद्यपतासनाममहानिनायमहानि पूरुवमत्मा
 हादवेयत्रवगिउवाचरुतत्वाहा २ धर्मं मत्मिसागया ॥ ४॥
 श्री श्री नालायननायायन हा नालायना ॥ उवाच रूपं त्वहा ३ मि
 खा क ३ गुग ॥ ५॥ कात्रि माहा कानी दं विउवाच रूपं त्वहा २ धर्मं

उपासि तमा प्रयाय शु॥ ॐ॥ श्री वदा जी जि नि नायि ॐ नमो श्री पद
मं भवन वाच जो आदौ या नपसि नयादाष नासि सिहधाय मठ
पासि नी नाय शु॥ ॐ॥ सुमंजसं ॥ न गठमं तु ह्य रूप स्वे हा ध्व तं मंठ
लिचुं यशु॥ ॐ॥ जनपति गण नाथ ॥ ध्व तं मंठ सात्र का हा मंडा या वा
कृष्ण नृ मया नवं ॥ ॥ तिहि दू अगू ना नी तु तपि सा सया रनो ॥ ॐ
स्य त्रि नक्षा या यमात्र पशुदि सा वन वन विज्ञा यमान रा ग विय

ॐ अग्नौ नितिकया श्रुतथा हा हा हा क नानि सितागुनादि मङ्गागुना
 निनाया च नमजना ॥ १॥ श्री श्री व्व न ख नाथ व क नामा ॐ ग ना पा न वाति
 उवाच रु त स्वा हा ३ ध न न ठ वि क ड अ गु मा लं या य १० य हा या क पू या
 मा लं या या ॥ ३॥ ॐ नमो रु ठ व ग न न प ति श्री हा न ना ना च न श्री श्री
 ग न प ति उ वा च रु प त्वा हा र द्या नं या य वि नि सा ख हा या वि य वि वा
 र म ति ता या ॥ ३॥ का ला न दि लाः आ वा ड म त क का वे ह न र श च र वि क
 प र आ ड म ती क ड का या गा डि ड म का ग म का या गा गा डः क पा ल स पा
 क ॥ ३॥

स म ड रु ख ख या ना ना ॥ मि खा ष्ठा क गु या ख ति ड गु या न डि ड क
 ड गु या न डि ड ॥ ३॥ पा वा स हि ख या ॥ या भ ॐ न ध वा न क ड गु या
 डि ड क ड गु या डि ड अ सु ड गु या डि ड ना हा रा ति ध गु या डि ड ॥ जग
 न का ति ना ड पि च र

नामा धान दय क ता भि ड ग न्ध न ना ड मि रा ग ग य चार ख ला द स का ग य
 ॐ की ग या क थ स पा मि दु थ ॥ ३॥ मार र रू ल मा मि दु थान ना ख ष्ठा दा
 य क मार र रू ल का या नि ढा गु लि वि न व गु लि द य क ढा गु लि न य
 (३) क गु लि मू ल दु क थ स्व र गा क थ सो इ इ स पा य क गु लि वि ढा

कागुलिनयक ॥ ॥ - - -

मिशाबात्रयाय
वमिमाया हा उ
कीवाकलिमिशागय
वागुयामिशादेक

यवमिमाहासवा

लायराकचा लाठाह
यमाहासतकयव
याचिकनकायवया
विकनखन भली इर
हि धुलिगागगयाव याचि
कखन वयागुलानयक

साधन सखुन सिविसिदि
विष पुंका न्वा न्वाकाक
वा कने कथ मागी गया जीक

निहल वाउगु क्रयक घाय वदप
उलाह आल्य हस पावि य मि
सक्य ४४ कि यान सनी का कने

क वयानाल गुं गुस रुं था गुरवाव
रु जी क्यगु सादुइया लउम क्य
गुरु जी लवा कउली अंगी हलध
पगा लउनि धा गं याय गु लिनु स
धा क याय घाग्र १२९ सिल
मिखा लक यामा म

अकावा मि गवया

सर्वगुणान्वयकः सर्वगुणीयः नात्रवशात्तानसतया छीयतामा
सर्वगुणान्वयकः सर्वगुणीयः नात्रवशात्तानसतया छीयतामा
॥०॥ ताकोला
यशवंत
यागादय
कं

ਮਾਹਿਕਾ

ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ

ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ

ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ

ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ

ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ

ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ

ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ

ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ

ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ ਮਾਹਿਕਾ

175 176 177

Handwritten text in two lines:

Line 1: ...
Line 2: ...

10 11 12 13 14
 15 16 17 18 19

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Handwritten text in a cursive script, likely a form of shorthand or a specific dialect, consisting of several lines of characters.

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger entry, consisting of approximately 8 lines of dense, cursive writing.